



---

### **Activity – Report (2017 – 2018)**

---

#### **2018**

● International Women’s Week	4 <sup>th</sup> – 11 <sup>th</sup> March, 2018
● Vande Matram Karma Award	19 <sup>th</sup> January, 2018
● Welcome 2018 & Lohri	14 <sup>th</sup> January, 2018

#### **2017**

● “Abhilasha”- Vrindavan Yatra	24 <sup>th</sup> December, 2017
● Skill Development @ Jaitpur 2017	1 <sup>st</sup> September – 31 <sup>st</sup> October, 2017
● Independence Day and Janamashtami Celebration	15 <sup>th</sup> August, 2017
● SSRRC – 1 <sup>st</sup> stall of “Sah-bala” Group at Jazbaa	24 <sup>th</sup> July, 2017
● Closing Ceremony of Summer Camp & Free Health Checkup Camp	1 <sup>st</sup> July, 2017
● 1 <sup>st</sup> Summer Camp @ Jaitpur	12 <sup>th</sup> June – 1 <sup>st</sup> July, 2017
● Gyan Kosh – Phase 2	1 <sup>st</sup> May – 30 <sup>th</sup> May 2017
● Ambedkar Jayanti Celebration	14 <sup>th</sup> April, 2017

4<sup>th</sup> – 11<sup>th</sup> March, 2018

**International Women's Week Celebration @ Jaitpur**

साई सोशल रेस्पॉसिबिलिटी रिसर्च सेंटर (SSRRC) ने दिनांक 11 मार्च 2018 समय सुबह 10 बजे से सामुदायिक केंद्र सरकारी प्राथमिक विद्यालय परिसर , गाँव जैतपुर वैशपुर , ग्रेटर नॉएडा ,उत्तर प्रदेश में अन्तराष्ट्रीय महिला सप्ताह का आयोजन किया।

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस व सप्ताह पुरे विश्व में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है । परन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में अन्तराष्ट्रीय महिला सप्ताह का आयोजन करना अपने आप में एक मिसाल भी है और गर्व का विषय भी है । पिछले पाँच वर्षों में साई सोशल रेस्पॉसिबिलिटी रिसर्च सेंटर (SSRRC) ने प्रारंभिक शिक्षा / प्रौढ़ शिक्षा/ कौशल विकास , डिजिटल शिक्षा , पर्यावरण की सुरक्षा , स्वास्थ्य तथा योग और प्रकृतिक चिकित्सा एवम् मन के विकास के प्रति जागरूकता , सामाजिक बुराईयों / कुरीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाने का साहस और सबसे ज्यादा महिला सशक्तिकरण की दिशा में हर संभव प्रयास किया है । यहाँ गाँव के बड़े बुजुर्गों , महिलाओं और युवाओं का विश्वास ही है इस संस्था ने हर परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने का जोश दिया है ।

इस कार्यक्रम की विशेषताएँ रही- निशुल्क नेत्र जाँच शिविर , मेहंदी स्टाल (‘‘लडकियों द्वारा पहली बार’’), महिलाओं एवम् युवा वर्ग की सशक्तिकरण रैली , नुक्कड़ नाटक , पाक- व्यंजन स्टाल (महिलाओं द्वारा पहली बार ) के जोशीले प्रदर्शन एवं इन बच्चों एवं महिलाओं के आत्मविश्वास की झलक ने साई सोशल रेस्पॉसिबिलिटी रिसर्च सेंटर (SSRRC) को बहुत गर्वित किया ।

साई सोशल रेस्पॉसिबिलिटी रिसर्च सेंटर (SSRRC) ने अपने सभी शुभचिंतकों एवं सहयोगियों को सम्मान प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया । अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस व सप्ताह के अवसर का मान रखते हुए हमने उन सभी महिलाओं एवं पुरुषों का सम्मान किया जो की समाज के लिए , दूसरों के हित के लिए कुछ करने का हर संभव प्रयास करते हैं ।

आगामी वर्ष में साई सोशल रेस्पॉसिबिलिटी रिसर्च सेंटर – (SSRRC) उन्नति के पथ पर अग्रसर इस गाँव में कई अन्य पहल द्वारा सशक्तिकरण की नयी मिसाल में जुटेगी ।







19<sup>th</sup> January, 2018

### **Vande Mantram Karma Awards**

On 19<sup>th</sup> January, 2018 Sai Social Responsibility & Research Centre (SSRRC) organized its first “Vande Matram Karma Award” in commensuration with Republic Day where the real heroes of nation are felicitated. SSRRC as proud citizen of our country truly believes that every meaningfully employed person is contributing towards nation building in some or other way. However, the many unsung heroes and benevolent souls who are committed to address the needs of the society and extremely sensitive towards the same. Though the government is recognizing the efforts of many. However there are many more responsible individual, organization or institution who needs to be recognized publically for their selfless and silent contribution towards the marginalized ones. With this aim Vande Matram Karma Awards has been conceptualized to applaud the efforts of committed people who are promoting education, sports, and skills as empowerment.

In January 2017 we launched Vande Matram Karma Awards as an initiative to felicitate a few such individual philanthropists / social activists / responsible organization & business as token of salute to such unsung heroes. We try to ensure that proceed of our “Vande Matram Karma award” secure at least one girl child education till High School. Many socialites, individual philanthropist and social organizations became a part of it including Shri M.S. Bitta, Chairman – Anti Terrorist Front, Mr. Millind Gaba, Renowned Indian Singer and Ms. Shivani Kashya, a Bollywood Youth Icon & Star Singer. The Khadi fashion show was a huge hit and the proceed went for realizing the dream of a girl, Priyanka to fulfil her dream of completing her higher education and training of becoming a school teacher. The effort was applauded by one and all and SSRRC was really thankful to the food sponsors, venue sponsors and many other goodwill ambassadors whose small, silent contributions made our initiative a huge success.

In continuation of sincere endeavor to reach out to every sensible citizen to make them join hands to promote the cause, we shall continue with edition 2 of Vande Matram Karma Awards 2018. We shall be launching it in the week of International Women’s Day / Week to make it a part of an effort of national contribution by promoting our national campaign “**Beti Bachao, Beti Padhao & Beti Khelao**”.



We joined our hands with designer Rosy Ahluwalia of International Repute and fame of “Dikha Khadi” to promote the cause. With her help we had a fashion show with the models wearing national cloth i.e Khadi.





14<sup>th</sup> January, 2018

### **Lohri & Makarsakranti Celebration @ Jaitpur**

14<sup>th</sup> January, 2018 was celebrated by Sai Social Responsibility & Research Centre with pomp and pleasure while the team proudly inaugurated a new centre.

Every year, in the middle of January, the dazzling wintry-blue sky over our adopted village starts thrumming with songs. It is the time of Makar Sankranti, not such an important festival in area of Uttar Pradesh, the place I call home away from home where I have spent a few years voicing the concern of village women and children. It was proud moment to see that today the whole program of dance, drama, poetry recitation, street play, self defence, and experience sharing all with a theme of women empowerment was organized by them and step by step the way I had been teaching them. It's phase of empowerment which has not only given them courage, confidence but skills and ownership with a sense of belongingness. My projects of facilitating education, health and awareness through primary learning assistance, computer teaching, English speaking, yoga, self defence, street play for social concern and women vocational training all would now enter into phase 2 of advance level organizational facilitation. It was their love and faith in me which made me continue with all efforts to empower the village women and children inspite of increasingly demanding time and commitment at other portfolio. I am feeling blessed to be instrumental in bringing this visible change

Our sincere thanks to our goodwill ambassadors, friends and well-wishers.









24<sup>th</sup> December, 2017

### **“Abhilasha” – Vrindavan Yatra**

"अभिलाषा"@साई सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी रिसर्च सेंटर के द्वारा 24 दिसंबर 2017 को गाँव की महिलाओं के लिए के तौर पर वृन्दावन यात्रा का आयोजन किया गया। चेहरे पर खुशी की चमक, आँखों में प्यार, दुलार, मनुहार और जुबान पर आशीषों की झड़ी .....जी हाँ, यही कमाया हमने इस पहल - "अभिलाषा" के द्वारा।

सुबह 6:30 बजे हम महिलाओं को लेने जैतपुर गांव पहुंचे और सभी महिलाये वृन्दावन यात्रा के लिए बहुत उत्साहित थी। 7 बजे हम सब गांव से वृन्दावन यात्रा के लिए रवाना हो गए। महिलाये अपने साथ ढोलक भी लायी थी बस के चलते ही सभी ने भजन गाने शुरू कर दिए। गाते बजाते 3 घंटे कैसे निकल गए पता ही नहीं चला और हम वृन्दावन पहुँच गए। सबसे पहले हम वृन्दावन में स्थित बांके बिहारी मंदिर पहुंचे, जिसे प्रचीन गायक तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने बनवाया था। भगवान कृष्ण को समर्पित इस मंदिर में राजस्थानी शैली की बेहतरीन नक्काशी की गई है। मंदिर में बहुत भीड़ थी और हम सब भीड़ में इधर उधर हो गए फिर हम वहाँ दर्शन करके बाहर निकले और सबको एकत्रित किया। फिर हम सब वहाँ से निधिवन की ओर रवाना हुए। और 20 मिनट में निधि वन पहुँच गए।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक इसका अस्तित्व भगवान कृष्ण के समय से है। ऐसा माना जाता है कि यहीं पर भगवान कृष्ण ने राधा और अन्य गोपियों के साथ रासलीला किया था। फुलवारी में ही एक छोटा सा नक्काशीदार मंदिर है, जो भगवान कृष्ण और उनकी संगिनी राधा को समर्पित है। हमने मंदिर के दर्शन किये और थोड़ी देर निधि वन में बैठ गए। इस मंदिर के आसपास बहुत बन्दर है जो की लोगो का सामान लेकर भाग जाते है हमारे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ हमारी सहबाला ग्रुप की सदस्या कविता जी का सामान उठाकर बंदर भाग गया बहुत मुश्किल के बाद कुछ सामान मिल पाया और सब ले गया। फिर हम वह से निकले और भोजन करने पहुंचे सबने भर पेट भोजन किया और इस्कॉन मंदिर की ओर निकल पड़े। ऐसा माना जाता है कि यह मंदिर ठीक उसी जगह पर बना है, जहां आज से 5000 साल पहले भगवान कृष्ण दूसरे बच्चों के साथ खेला करते थे। मंदिर में कई सुंदर चित्रकारी की गई है, जिसमें भगवान कृष्ण की शिक्षा का वर्णन किया गया है।

इस इस्कॉन मंदिर में सबने फोटो खिचवाई और नाच गाना किया। उसके बाद हम वह से प्रेम मंदिर के लिए रवाना हुए वह से पैदल चलते हुए प्रेम मंदिर पहुंचे परन्तु प्रेम मंदिर के खुलने का समय 5 :30 बजे का है और हमें अंधेरा होने से पहले वह से निकलना था इसलिए हमने प्रेम मंदिर के दर्शन बाहर से ही कर लिए और बस की ओर चल पड़े अब सब बहुत थक चुके थे। सब बस में बैठ गए और हम



वह से जैतपुर गांव की ओर निकल पड़े। 8:30 बजे हम जैतपुर गांव पहुँच गए और सबको सकुशल अपने अपने घर की ओर चल पड़े। सब बहुत ही खुश थे क्योंकि ये यात्रा उनका कमाया हुआ इनाम था।

एसएसआरआरसी के निदेशक ने कहा कि इस यात्रा के बारे में सहबाला समूह पहल में उनके अच्छे काम के इनाम पर हमारा वादा था, लेकिन वे वास्तव में वृंदावन की इस यात्रा के लायक थे और हमें इस वर्ष जारी रखने पर गर्व होगा क्योंकि इन वंचित वायमन अपनी यात्रा जारी रखते हैं सशक्तिकरण की ओर।



1<sup>st</sup> September – 31<sup>st</sup> October, 2017

### **Skill Development @ Jaitpur 2017**

“This Diwali, we made a difference as we lit rays of hopes in the eyes of unprivileged Lot.”

A self-help group of 12 women was formed in Jaitpur village with an intention of making them financially independent. The group was trained in making candles and decorative items for house. The women were successful in selling their handmade products at reasonable prices at a platform provided by Sai Social Responsibility & Research Centre (SSRRC).

We started with another skilling programs for the village women as garland making, paper bag making, Bandhanwar making, Gel glass candle making, cloth bag making, packing and gift hamper making training sessions to help rural women and begin a journey towards financial independence. By April 2016 the first SHG group products were completely sold out and they got their second order as well in mid of September we completed our order in given time period. It was a delight to see that these hard working ladies without caring for their domestic work, worked hard for accomplishment of the desired goal.

Women were thankful from core of their heart to Dr. Susha Singh, and Managing Director of SSRRC for rewarding them by facilitating a trip to Vrindavan for every member of SHG group apart of their 2<sup>nd</sup> financial gain.







15<sup>th</sup> August, 2017

### **Independence Day and Janamashtami Celebration**

As a part of our village development plan "Mera Gaon, Meri Jimmedari" at Jaitpur village, Sai Social Responsibility & Research Centre 72<sup>nd</sup> Independence Day village with high spirit and pride. The students of different age groups and women volunteers of the community participated in the celebration. We hoisted flag, made small students wave flags, sang national anthem and greeted one and all. We had also organized a kite making and Matki Fod competition.

The flag hoisting was done by Managing Director – Vivo Health Care, Mr. Vivek Tuli in presence of elderly people of village, village school children, Women from village and Dr. Sushu Singh, Director, SSRRC. After flag hoisting everyone saluted the flag and sang the national anthem.





24<sup>th</sup> July, 2017

**SSRRC – 1<sup>st</sup> stall of “Sah-bala” Group at Jazbaa**

“A woman is the full circle. Within her is the power to create, nurture and transform.”

This event was actually an exposure of our village women products to the community. Community support us with the big hands and we love to encourage our village women. We support women empowerment by exploring their efforts to the community. Milestone for SSRRC as for the first time we went to people with SHG products rather than they are coming to village to get the products. It was supported by Fashion Designer Rosy Alhuwalia.

“There is no tool for development more effective than the empowerment of women”.









1<sup>st</sup> July 2017

### **Closing Ceremony of Summer Camp & Free Health Checkup Camp**

SSRRC is all set to soar in sports and skill development as they celebrate closing ceremony of 1st Village Summer School 2017 at Jaitpur-Vaispur on 1st July, 2017. It was first of its own kind of experience when they imparted knowledge, awareness, skill and helped children, youth and women to understand the real meaning of empowerment. There would be a display of amazing products made by village women along with the food items learned during the cooking classes, dance learnt during the summer school, showing the confidence and language through street play learnt during English speaking classes and self-defense. Look forward to having a fulfilling and enriching experience as we have learnt that failure is only the opportunity to begin again more intelligently.

A Free Eye & Health Checkup Camp was also organized by Sai Social Responsibility & Research Centre in collaboration with Mahavir International at village Jaitpur. 300 patients were examined and free spectacles and medicines were distributed.

Our esteemed Chief Guest – Shri Ashok Singh, Guest of Honour – Shri Shashi Dubey & Shri Ajay Bansal and Special Guest – Mr. Neeraj Arora launched SSRRC website & brochure.

We successfully closed the 1st summer camp @ Jaitpur village. The last 15 days were most challenging yet most exciting. All the hard work paid off when our kids spoke their heart out to the people present, they demonstrated the work they did and all the products made by our Self Help Group sold out in few minutes along with pre order for Diwali.

I thank all our Goodwill Ambassadors and our voluntary trainers (Mr. Indu Grover- Personality Development, Mrs. Sudha Kapoor - Cookery classes, Mr. Rajesh - Football, Mr. Pritam - Boxing, Ms. Sushma – Self-defense, Mr. Sandeep - Dance, Frantic Infotech- Computer and the very talented Ms. Deepti - Skill development) who gave their time and support to SSRRC for making our summer camp 2017, a success.

**WE HAD THE BEST SUMMER EVER**







21<sup>st</sup> June, 2017

### **International Yoga Day 2017**

Sai Social Responsibility & Research Centre celebrated International Yoga Day as it organized the spiritual ancient practice of Yoga at premises of Govt. Primary School of Jaitpur village on June 21<sup>st</sup>, 2017.

In a world of fear, Yoga provides strength and courage, we do need this ancient Indian spiritual practice also in villages, especially in village schools to create awareness of a holistic approach to health and wellbeing.

It was a moment of pride for Sai Social Responsibility & Research Centre to reach out to rural masses and encourage youth, children and women from Jaitpur village of Gautam Buddha Nagar, U.P to participate in World Yoga Day. It was a momentous occasion to observe how the Villagers took to different Asanas and Pranayaams. It all started with a Prayer and ended with a shanti path. Our Goodwill ambassadors Mr. Mahesh Kaushik and his wife also participated in Yoga and really enjoyed the spiritual practice. Dr. Rajesh Vashisht helped in distribution of glucose water, Banana and glucose biscuits. Our volunteer and supervisor, Ms. Varsha Baxi, a Yoga trainer herself, helped in getting the right postures for women and school children. 100 white tee-shirts & caps were distributed to Yoga practitioners.







12<sup>th</sup> June – 1<sup>st</sup> July, 2017

### **1<sup>st</sup> Ever Summer Camp @ Jaitpur village**

“SUMMER CAMP IS A GREAT OPPORTUNITY TO EXPLORE OR DIVE DEEP INTO THE AREAS YOU LOVE. IT ALSO HELP CHILDREN/ADULTS DEVELOP HEALTHY EMPTIONAL AND SOCIAL SKILLS TO GROW INTO STRONG & CONSIDERATE HUMANS”

The concept behind organising the first ever summer camp at Jaitpur village was to provide the village community with all the facilities & activities which are available to people of Metropolitan cities. We were determined to bring the desired change in attitude, mind-set, capability & skills of village children, women, adult men, youth, & elderly. Knowing the fact that summer camp brings out creativity & innovativeness of participants apart of providing a platform of networking, knowledge, skill showing along with fun filled activities.

In order to enrich personal & vocational skills, a number of programs suitable for all age groups were provided by our very talented volunteers in Jaitpur Vaishpur Village, Greater Noida, U.P. All information & resources were pooled in to enhance the skills of our children and women. We went an extra mile to provide them with all the necessary facilities so that we are able to bridge the gap between rural and urban areas.

The last 15 days were most challenging yet most exciting. All the hard work paid off when our kids spoke their heart out to the people present, they demonstrated the work they did and all the products made by our Self Help Group sold out in few minutes along with pre order for Diwali.

SSRRC would like to render its sincere gratitude to the volunteers who were dedicated to provide their selfless services to the village community for 3 weeks- Mrs. Indu Grover (Personality development classes), Mrs. Sudha Kapoor (Cooking classes), Ms. Deepti Verma (Skill development), Ms. Sushma & Ms. Madhu (Self Defense), Mr. Rajesh Vashist (Football training), Mr. Pritam Tokas (Boxing training), and Frantic India (Computer classes).

The Inauguration of the camp started with the most powerful self-defense training by our two fearless & empowered female trainers and the turnout was visible. Cookery classes, skill development and computer training introduction was part of the Inaugural Day at Summer Camp 2017.





During the 3 weeks long camp, the classes started at 7am with Boxing & Football which was regularly attended by 60 children each day and followed by Self-defense 10 days certification course. In the afternoon the personality development classes, cooking classes & skill development classes kept everyone awake. Every day of the week ended with computer classes which took place in two groups- Advanced group ( children who have completed NIIT certificate course in 2016) and beginner group(children who don't know anything about computers). The 3 weeks were full of fun, health, fitness, yummy food, skills enhancement & learning in conducive environment.

Even though the children were tired on few days because of sports & physical activity but still the attendance did not drop out, in fact the number increased everyday as the more number of people found the girls attending the camp, the motivational level went up in the community to send more number of children for this amazing experience.

Apart of “aware’ group of women trained, other village women also enthusiastically participated in all activities organised for them including- life skills, cookery classes, acupressure, yoga, Art of living & Skill development.

The excitement level for the summer camp was such that the children & women skipped going to the relative’s house for holidays & choose to spend their time in learning some new & fun things which will go a long way for all.

This summer was indeed joyful for team SSRRC & Jaitpur village.





1<sup>st</sup> May – 30<sup>th</sup> May 2017

### **Gyan Kosh – Phase 2**

साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी व रिसर्च सेंटर के “ज्ञान प्रोग्राम फेज – 1” की शुरुआत 2015 में की गई। महिलाओं ने पढ़ना – लिखना सीखा। साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी व रिसर्च सेंटर ने महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। जिससे की कोई महिलाओं का गलत फायदा न उठा सके। महिलाओं के लिए साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी व रिसर्च सेंटर ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जैसे मासिक धर्म से सम्बंधित स्वच्छता की जानकारी दी गई, स्तन कैंसर जाँच कैंप लगाया गया, AIDS के प्रति जागरूक करने के लिए कैंप आदि लगाए। महिलाओं को जागरूक कराया गया कि अगर वह शिक्षित होंगी तभी अपनी आने वाली पीढ़ी को शिक्षित कर सकेंगी क्योंकि अपने बच्चों की पहली शिक्षक माँ ही होती है।

“महिलाओं को ना समझो बेकार, जीवन का है यह आधार।”

महिलाओं ने साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी व रिसर्च सेंटर के समक्ष हाथ का हुनर सिखने की इच्छा जाहिर की ताकि वो कुछ कमा सकें और घर में अपना योगदान दे सकें। साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी व रिसर्च सेंटर की मैनेजिंग डायरेक्टर -डॉ सुशी सिंह ने उनकी इस ख्वाहिश को पूरा करने के लिए महिलाओं को मोमबत्ती बनाने की ट्रेनिंग दिलाई, ब्यूटी पार्लर का कोर्स कराया, पेपर बैग बनाने सिखाये गए, पोटली बनाने की ट्रेनिंग करायी, पैकिंग आदि सिखवाई ताकि महिलाओं को रोजगार मिल सके। अब महिलाएँ इतनी सक्षम हैं की खुद हिसाब कर सकती है और खुद के कमाये हुए पैसे अपनी मर्जी से खर्च कर सकती है।







14<sup>th</sup> April, 2017

### **Ambedkar Jayanti Celebration**

Jaitpur Brigade marched proudly in the whole village with the message of peace and harmony on the occasion of Ambedkar Jayanti.

They very well demonstrated the caste system prevailing in our society through Nukkad Natak and gave a message of "Come hold hands".

#Jaibheem #AnotherwayCelebration #EmpoweredVillage #Pahel



